

m.à.j			→			m.à.j			→			m.à.j			→			m.à.j			→			m.à.j			→			m.à.j			→			m.à.j			→			m.à.j			→			m.à.j			→			m.à.j			→			m.à.j			→			m.à.j			→			m.à.j			→			m.à.j			→			m.à.j			→			m.à.j			→			m.à.j			→			m.à.j			→			m.à.j			→			m.à.j			→			m.à.j			→			m.à.j			→			m.à.j			→			m.à.j			→			m.à.j			→			m.à.j			→			m.à.j			→			m.à.j			→			m.à.j			→			m.à.j			→			m.à.j			→			m.à.j			→			m.à.j			→			m.à.j			→			m.à.j			→			m.à.j			→			m.à.j			→			m.à.j			→			m.à.j			→			m.à.j			→			m.à.j			→			m.à.j			→			m.à.j			→			m.à.j			→			m.à.j			→			m.à.j			→			m.à.j			→			m.à.j			→			m.à.j			→			m.à.j			→			m.à.j			→			m.à.j			→			m.à.j			→			m.à.j			→			m.à.j			→			m.à.j			→			m.à.j			→			m.à.j			→			m.à.j			→			m.à.j			→			m.à.j			→			m.à.j			→			m.à.j			→			m.à.j			→			m.à.j			→			m.à.j			→			m.à.j			→			m.à.j			→			m.à.j			→			m.à.j			→			m.à.j			→			m.à.j			→			m.à.j			→			m.à.j			→			m.à.j			→			m.à.j			→			m.à.j			→			m.à.j			→			m.à.j			→			m.à.j			→			m.à.j			→			m.à.j			→			m.à.j			→			m.à.j			→			m.à.j			→			m.à.j			→			m.à.j			→			m.à.j			→			m.à.j			→			m.à.j			→			m.à.j			→			m.à.j			→			m.à.j			→			m.à.j			→			m.à.j			→			m.à.j			→			m.à.j			→			m.à.j			→			m.à.j			→			m.à.j			→			m.à.j			→			m.à.j			→			m.à.j			→			m.à.j			→			m.à.j			→			m.à.j			→			m.à.j			→			m.à.j			→			m.à.j			→			m.à.j			→			m.à.j			→			m.à.j			→			m.à.j			→			m.à.j			→			m.à.j			→			m.à.j			→			m.à.j			→			m.à.j			→			m.à.j			→			m.à.j			→			m.à.j			→			m.à.j			→			m.à.j			→			m.à.j			→			m.à.j			→			m.à.j			→			m.à.j			→			m.à.j			→			m.à.j			→			m.à.j			→			m.à.j			→			m.à.j			→			m.à.j			→			m.à.j			→			m.à.j			→			m.à.j			→			m.à.j			→			m.à.j			→			m.à.j			→			m.à.j			→			m.à.j			→			m.à.j			→			m.à.j			→			m.à.j			→			m.à.j			→			m.à.j			→			m.à.j			→			m.à.j			→			m.à.j			→			m.à.j			→			m.à.j			→			m.à.j			→			m.à.j			→			m.à.j			→			m.à.j			→			m.à.j			→			m.à.j			→			m.à.j			→			m.à.j			→			m.à.j			→			m.à.j			→			m.à.j			→			m.à.j			→			m.à.j			→			m.à.j			→			m.à.j			→			m.à.j			→			m.à.j			→			m.à.j			→			m.à.j			→			m.à.j			→			m.à.j			→			m.à.j			→			m.à.j			→			m.à.j			→			m.à.j			→			m.à.j			→			m.à.j			→			m.à.j			→			m.à.j			→			m.à.j			→			m.à.j			→			m.à.j			→			m.à.j			→			m.à.j			→			m.à.j			→			m.à.j			→			m.à.j			→			m.à.j			→			m.à.j			→			m.à.j			→			m.à.j			→			m.à.j			→			m.à.j			→			m.à.j			→			m.à.j			→			m.à.j			→			m.à.j			→			m.à.j			→			m.à.j			→			m.à.j			→			m.à.j			→			m.à.j			→			m.à.j			→			m.à.j			→			m.à.j			→			m.à.j			→			m.à.j			→			m.à.j			→			m.à.j			→			m.à.j			→			m.à.j			→			m.à.j			→			m.à.j			→			m.à.j			→			m.à.j			→			m.à.j			→			m.à.j			→			m.à.j			→			m.à.j			→			m.à.j			→			m.à.j			→			m.à.j			→			m.à.j			→			m.à.j			→			m.à.j			→			m.à.j			→			m.à.j			→			m.à.j			→			m.à.j			→			m.à.j			→			m.à.j			→			m.à.j			→			m.à.j			→			m.à.j			→			m.à.j			→			m.à.j			→			m.à.j			→			m.à.j			→			m.à.j			→			m.à.j			→			m.à.j			→			m.à.j			→			m.à.j			→			m.à.j			→			m.à.j			→			m.à.j			→			m.à.j			→			m.à.j			→			m.à.j			→			m.à.j			→			m.à.j			→			m.à.j			→			m.à.j			→			m.à.j			→			m.à.j			→		
-------	--	--	---	--	--	-------	--	--	---	--	--	-------	--	--	---	--	--	-------	--	--	---	--	--	-------	--	--	---	--	--	-------	--	--	---	--	--	-------	--	--	---	--	--	-------	--	--	---	--	--	-------	--	--	---	--	--	-------	--	--	---	--	--	-------	--	--	---	--	--	-------	--	--	---	--	--	-------	--	--	---	--	--	-------	--	--	---	--	--	-------	--	--	---	--	--	-------	--	--	---	--	--	-------	--	--	---	--	--	-------	--	--	---	--	--	-------	--	--	---	--	--	-------	--	--	---	--	--	-------	--	--	---	--	--	-------	--	--	---	--	--	-------	--	--	---	--	--	-------	--	--	---	--	--	-------	--	--	---	--	--	-------	--	--	---	--	--	-------	--	--	---	--	--	-------	--	--	---	--	--	-------	--	--	---	--	--	-------	--	--	---	--	--	-------	--	--	---	--	--	-------	--	--	---	--	--	-------	--	--	---	--	--	-------	--	--	---	--	--	-------	--	--	---	--	--	-------	--	--	---	--	--	-------	--	--	---	--	--	-------	--	--	---	--	--	-------	--	--	---	--	--	-------	--	--	---	--	--	-------	--	--	---	--	--	-------	--	--	---	--	--	-------	--	--	---	--	--	-------	--	--	---	--	--	-------	--	--	---	--	--	-------	--	--	---	--	--	-------	--	--	---	--	--	-------	--	--	---	--	--	-------	--	--	---	--	--	-------	--	--	---	--	--	-------	--	--	---	--	--	-------	--	--	---	--	--	-------	--	--	---	--	--	-------	--	--	---	--	--	-------	--	--	---	--	--	-------	--	--	---	--	--	-------	--	--	---	--	--	-------	--	--	---	--	--	-------	--	--	---	--	--	-------	--	--	---	--	--	-------	--	--	---	--	--	-------	--	--	---	--	--	-------	--	--	---	--	--	-------	--	--	---	--	--	-------	--	--	---	--	--	-------	--	--	---	--	--	-------	--	--	---	--	--	-------	--	--	---	--	--	-------	--	--	---	--	--	-------	--	--	---	--	--	-------	--	--	---	--	--	-------	--	--	---	--	--	-------	--	--	---	--	--	-------	--	--	---	--	--	-------	--	--	---	--	--	-------	--	--	---	--	--	-------	--	--	---	--	--	-------	--	--	---	--	--	-------	--	--	---	--	--	-------	--	--	---	--	--	-------	--	--	---	--	--	-------	--	--	---	--	--	-------	--	--	---	--	--	-------	--	--	---	--	--	-------	--	--	---	--	--	-------	--	--	---	--	--	-------	--	--	---	--	--	-------	--	--	---	--	--	-------	--	--	---	--	--	-------	--	--	---	--	--	-------	--	--	---	--	--	-------	--	--	---	--	--	-------	--	--	---	--	--	-------	--	--	---	--	--	-------	--	--	---	--	--	-------	--	--	---	--	--	-------	--	--	---	--	--	-------	--	--	---	--	--	-------	--	--	---	--	--	-------	--	--	---	--	--	-------	--	--	---	--	--	-------	--	--	---	--	--	-------	--	--	---	--	--	-------	--	--	---	--	--	-------	--	--	---	--	--	-------	--	--	---	--	--	-------	--	--	---	--	--	-------	--	--	---	--	--	-------	--	--	---	--	--	-------	--	--	---	--	--	-------	--	--	---	--	--	-------	--	--	---	--	--	-------	--	--	---	--	--	-------	--	--	---	--	--	-------	--	--	---	--	--	-------	--	--	---	--	--	-------	--	--	---	--	--	-------	--	--	---	--	--	-------	--	--	---	--	--	-------	--	--	---	--	--	-------	--	--	---	--	--	-------	--	--	---	--	--	-------	--	--	---	--	--	-------	--	--	---	--	--	-------	--	--	---	--	--	-------	--	--	---	--	--	-------	--	--	---	--	--	-------	--	--	---	--	--	-------	--	--	---	--	--	-------	--	--	---	--	--	-------	--	--	---	--	--	-------	--	--	---	--	--	-------	--	--	---	--	--	-------	--	--	---	--	--	-------	--	--	---	--	--	-------	--	--	---	--	--	-------	--	--	---	--	--	-------	--	--	---	--	--	-------	--	--	---	--	--	-------	--	--	---	--	--	-------	--	--	---	--	--	-------	--	--	---	--	--	-------	--	--	---	--	--	-------	--	--	---	--	--	-------	--	--	---	--	--	-------	--	--	---	--	--	-------	--	--	---	--	--	-------	--	--	---	--	--	-------	--	--	---	--	--	-------	--	--	---	--	--	-------	--	--	---	--	--	-------	--	--	---	--	--	-------	--	--	---	--	--	-------	--	--	---	--	--	-------	--	--	---	--	--	-------	--	--	---	--	--	-------	--	--	---	--	--	-------	--	--	---	--	--	-------	--	--	---	--	--	-------	--	--	---	--	--	-------	--	--	---	--	--	-------	--	--	---	--	--	-------	--	--	---	--	--	-------	--	--	---	--	--	-------	--	--	---	--	--	-------	--	--	---	--	--	-------	--	--	---	--	--	-------	--	--	---	--	--	-------	--	--	---	--	--	-------	--	--	---	--	--	-------	--	--	---	--	--	-------	--	--	---	--	--	-------	--	--	---	--	--	-------	--	--	---	--	--	-------	--	--	---	--	--	-------	--	--	---	--	--	-------	--	--	---	--	--	-------	--	--	---	--	--	-------	--	--	---	--	--	-------	--	--	---	--	--	-------	--	--	---	--	--	-------	--	--	---	--	--	-------	--	--	---	--	--	-------	--	--	---	--	--	-------	--	--	---	--	--	-------	--	--	---	--	--	-------	--	--	---	--	--	-------	--	--	---	--	--	-------	--	--	---	--	--	-------	--	--	---	--	--	-------	--	--	---	--	--	-------	--	--	---	--	--	-------	--	--	---	--	--	-------	--	--	---	--	--	-------	--	--	---	--	--	-------	--	--	---	--	--	-------	--	--	---	--	--	-------	--	--	---	--	--	-------	--	--	---	--	--	-------	--	--	---	--	--	-------	--	--	---	--	--	-------	--	--	---	--	--	-------	--	--	---	--	--	-------	--	--	---	--	--	-------	--	--	---	--	--	-------	--	--	---	--	--	-------	--	--	---	--	--	-------	--	--	---	--	--	-------	--	--	---	--	--	-------	--	--	---	--	--	-------	--	--	---	--	--	-------	--	--	---	--	--	-------	--	--	---	--	--	-------	--	--	---	--	--	-------	--	--	---	--	--	-------	--	--	---	--	--	-------	--	--	---	--	--	-------	--	--	---	--	--	-------	--	--	---	--	--	-------	--	--	---	--	--	-------	--	--	---	--	--	-------	--	--	---	--	--	-------	--	--	---	--	--	-------	--	--	---	--	--	-------	--	--	---	--	--	-------	--	--	---	--	--	-------	--	--	---	--	--	-------	--	--	---	--	--	-------	--	--	---	--	--	-------	--	--	---	--	--	-------	--	--	---	--	--	-------	--	--	---	--	--	-------	--	--	---	--	--	-------	--	--	---	--	--	-------	--	--	---	--	--	-------	--	--	---	--	--	-------	--	--	---	--	--	-------	--	--	---	--	--	-------	--	--	---	--	--	-------	--	--	---	--	--	-------	--	--	---	--	--	-------	--	--	---	--	--	-------	--	--	---	--	--	-------	--	--	---	--	--	-------	--	--	---	--	--	-------	--	--	---	--	--	-------	--	--	---	--	--	-------	--	--	---	--	--	-------	--	--	---	--	--	-------	--	--	---	--	--	-------	--	--	---	--	--	-------	--	--	---	--	--	-------	--	--	---	--	--	-------	--	--	---	--	--	-------	--	--	---	--	--	-------	--	--	---	--	--